



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

24/6/88

सं. 270] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 15, 1988/अग्राहायण 24, 1910  
No. 270] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 15, 1988/AGRAHAYANA 24, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 88-आई.टी.

आयात व्यापार नियंत्रण

सी. (ए.एन)/88-91, दिनांक 15 दिसम्बर, 1988 का परिशिष्ट

सार्वजनिक सूचना सं. 88 आईटीसी (एएन)/88-91

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1988

विषय :- भारतीय खाद्य निगम लि. के गोरखपुर उर्वरक संयंत्र के पुनः  
निर्माण/पुनर्वास परियोजना के लिए 2.635 बिलियन येन  
के विदेशी आर्थिक सहयोग निधि ऋण सं. आई.डी.  
पी. 50 के अन्तर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात के  
लिए लाइसेंसिंग शर्तें।

काह्न सं. आईपीसी/23(48)/88-91 :- भारतीय खाद्य निगम  
लि. के गोरखपुर उर्वरक संयंत्र के पुनः निर्माण/पुनर्वास परियोजना के लिए  
2.635 बिलियन येन के ओ.ई.सी.एफ. ऋण सं. आई.डी.पी.-30 के  
अन्तर्गत उपस्कर/सेवाओं को शामिल करने वाली शर्तें, जो इस सार्वजनिक  
सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, सूचना के लिए प्रविष्टित की जाती  
हैं।

के. बी. हरसीरावा  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्वात

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा  
भारतीय खाद्य निगम लि. (एफ.सी.आई.) के गोरखपुर उर्वरक संयंत्र  
के पुनः निर्माण/पुनर्वास परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 2.635  
बिलियन येन क्रेडिट के अर्वाह उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध  
में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1 सामान्य शर्तें

1(1) भारतीय खाद्य निगम लि. के गोरखपुर उर्वरक संयंत्र के पुनः  
निर्माण/पुनर्वास परियोजना की आयात आवश्यकता के विस्तार के लिए  
जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा प्रदान  
किये गये 2.635 बिलियन येन का ऋण जापान और विकासशील देशों  
जिनमें भारत और (ओ.ई.सी.एफ.) के सभी सदस्य देश शामिल हैं,  
के लिए खुला है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिवाह की जाने  
वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबंध-1 की सूची में उद्धृत सभी  
देशों से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अन्तर्गत पात्र  
कोताय देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अवीन केशन उन्हीं सदों और उसी मूल्य के लिए  
लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए मजानिदितालय, तहनीडी  
विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो।

इस क्रेडिट के अंतर्गत जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 2.80 बिलियन येन (लगत) से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य राजस्व विभाग (सोमागुलुक) द्वारा अधि-सूचित विनियमन दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य निर्यातक, आयात-नियान द्वारा जारी की गई सार्व-जनिक सूचना सं. 78-आई टी सी/74, दिनांक 8 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकीर्णक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सोमागुलुक प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सी) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनियमन दर पर मूल्य की लाइसेंस मूल्य के नामे डालेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापान येन श्रृंग सं. आई टी पी-60 होगा। प्रथम और द्वितीय प्रणय के लिए लाइसेंस में "एल/जे सी" कोड होगा। यह कोड भारतीय खाद्य निगम को लाइसेंस भेजने समय मुद्रा निर्यात, आयात-नियान के पत्र में भी दर्जना जाएगा। जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जाती चाहिए।

1(3) भारतीय खाद्य निगम के पत्र में आयात लाइसेंस केवल सागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर जारी किये जा सकते हैं।

1(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करते हुए उस से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अंतर्गत जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य 2.80 बिलियन (जागत-बीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए ऐसा कि उपर पैरा (2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और अग्रे की अवधि के लिए वृद्धि दी जा सकती है। अग्रे और वृद्धि करने के लिए/या आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे अधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अंतर्गत वित्तदान किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विनियन स्थापित संयोजन माल और सेवाओं का सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होने और लाइसेंस पर ही। व भारत किए जाएंगे।

1(8) पक्के आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में बिना विदेशी संभरणों को जहाज पर्यंत निगुलक सागत-बीमा-भाड़ा/लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर लिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा। "पक्के आदेशों" का अर्थ भारतीय लाइसेंस जारी द्वारा दिए गए उन कय आदेशों से है जो विदेशी संभरण द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरण द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित कय सुविधा हो। विदेशी संभरणों द्वारा भारतीय प्रतिनित्तियों को दिए गए आदेश या ऐसी भारतीय अधिकताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश सर्वकार नहीं हैं।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकी की इन शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(3) में क्या उल्लिखित पक्के आदेश चार महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करने

हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संयोजन लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। घटेन देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वाचना के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इन लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरस्त रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए पर्येन मांगने की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्राप्त करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विमार्गाय पदधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकी को पूर्ण करने के सम्बन्ध में साध-पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र और मुख्य कामा जमा करने आदि की स्वीकृति आदि की सुविधाओं की अनुमति दें।

1(10) आयात लाइसेंस की सहायि से चार महीने के भीतर सभी भुगतान पूर्ण करने चाहिए। माल के पोतवधान पर प्रलय-प्रलय भुग-तानों की व्यवस्था होती चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोत-खदान बस्तवैजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होना चाहिए विदेशी संभरण से भारतीय आयात को किसी भी किस्म की न्युग सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होगी चाहिए :-

साध-पत्र की प्राप्ति के बाद..... महीने परन्तु अधिक से अधिक..... के बाद तक पूरा किया जाता है।

पोतवधान के लिए आखिरी तिथि निर्धारित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तथि 31-12-1992 के बाद की न हो।

खंड-2 संभरण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

2(1) ठेके का जहाज पर्यंत निगुलक सागत बीमा भाड़ा मूल्य येन में (येन की डिम्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकता का कमीशन, यदि कोई हो, तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

संधि का मूल्य येन में (या भारतीय संभरणों के मामले में भारतीय रुपये में) अभिव्यक्त होना चाहिए। कय आदेश और संभरण द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के संयोजित अधिप्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन किन्तुओं के अनुसार निम्नलिखित सम्पूरक शर्तों के साथ की जाएगी :-

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में :-

(1) यदि पूर्व महीनी सहित औपचारिक जुनी अंतराष्ट्रीय निधिया से निम्न अधिप्राप्ति निवाधिवि अवताने का प्रस्ताव है तो अधि-प्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए ओ. ई. सी. एक. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उसके पूर्व अनुमोदन प्राप्य किया जाएगा।

(2) सफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ. ई. सी. एक. को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्व अर्थात् की मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकारों को दिए गए

नोटिस और अनुदेश, या तो प्रपत्र, प्रस्तावित ठेका विशिष्टीकरण और ड्राइंग और दोनों से संबंधित अन्य दस्तावेज ओ. ई. सी. एफ. को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिए ओ. ई. सी. एफ. के पूर्ण अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की श्रेयें उचित रूप से विभाजित की गई हों। लेकिन यदि ओ. ई. सी. एफ. अनुमोद करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) परामर्शदाताओं को नियोजित किया जाएगा परन्तु उनका नियोजन ओ. ई. सी. एफ. के मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार किया जाएगा।

(घ) आयातक उपर्युक्त (1) (क), (2) (ख) और (ग) में उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा ओ. ई. सी. एफ. को भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संस्करण की भुगतान उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा 1987-88 के लिए ओ. ई. सी. एफ. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई सी पी - 50 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साक्षर के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका स्वीकृत नीचे खंड-7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही सविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एका से अधिक सविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। निम्नलिखित आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तुरंत बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संस्करण की पाठ्यता

संस्करण पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिक या पात्र स्त्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पजीकृत किए गए पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शामिल बैंड व्यक्त होंगे।

2(6) आयात स्त्रोत देशों से अनुमोद आयात

जिन वस्तुओं में आयात स्त्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका विस्तारण किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद की प्रति यूनिट का मूल्य गड़बड़ आधार पर आयातित भाग के 50% से कम हो :-

$$\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य} + \text{आयात शुल्क} \times 100$$

संस्करण का जहाज पर्यंत निःशुल्क मूल्य

(भारतीय संस्करणों के संबंध में एक्स-फैक्टो मूल्य धनवाया जाएगा)

2(7) सविदा में घोषणा

प्रत्येक सविदा में संस्करण द्वारा मात्र एवं संस्करण की पाठ्यता और संस्करण के दस्तावेज और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :-

“मैं, अधीहस्ताक्षरी एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संरक्षित किया जाने वाला माल ----- (संबंधित पात्र स्त्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।”

“मैं अधीहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार आपात स्त्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है :-

$$\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य} + \text{आयात शुल्क} \times 100$$

संस्करण का जहाज पर्यंत निःशुल्क मूल्य

(यहां एक्स-फैक्टो मूल्य लागू हों)

मैं, अधीहस्ताक्षरी, एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (कंपनी का नाम) और (पात्र देश का नाम) ----- में उत्पादित हो चुकी है और संबंधित पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा नियमित है।”

खंड-3 संस्करण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संस्करण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच भारतीय खाद्य निगम लि. के लिए येन क्रेडिट सं. आई सी पी - 50 (परियोजना सहायता) से संबंधित 10 फरवरी, 1988 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संस्करणों की भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच येन क्रेडिट सं. आई सी पी - 50 से संबंधित 10 फरवरी, 1988 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साक्षर के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संस्करण ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा ओईएससी और ओ. ई. सी. एफ. द्वारा येन ऋण के अधीन उपेक्षित हों।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संस्करण जापान में स्थित हो तो संस्करण सविदा के संबंध में एक चारा होनी चाहिए कि जापानी संस्करण भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पीत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय दूतावास, टोकियो को, शामिल मान की संपूर्णता के कार्यक्रम से अवगत कराएगा और पोतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष भागलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संस्करण को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात आवश्यक झोरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होता चाहिए और उनकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खंड-4 ओ ई सी एफ द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के आवेदन देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संस्करणों दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रति का जो विदेशी संस्करणों द्वारा लिखित में पुष्टि आदेश के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटोप्रतियां संगत बैंड आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित और अनुबंध-2 के प्रपत्र में “आधिकार पत्र” जारी करने के लिए आवेदन की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषय वस्तु या उनकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संशोधनों पर भी लागू हो जिनके कारण अनिवार्य रूप से आशोधन करने पड़े।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के नियम का नोटिस ओ ई सी एफ को समीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो कॉपी और “आधिकार पत्र” जारी करने के लिए आवेदन” की एक प्रति के साथ से. ए. ए. ए. ए. के कार्यालय को भेजा जाएगा।

## खंड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान-साख पत्र किया निधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का मोटिस, और ठेके के वस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैंक ऑफ इंडिया की टोकियो शाखा को संबोधित संलग्न अनुबंध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक ऑफ इंडिया की टोकियो शाख संबंध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबंध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबंध-5 (संभावितों के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां ओ.ई.सी.एफ. भारतीय दूतावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबंध-4 (वास्तविक आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबंध-5 (संभावितों के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.), भारतीय दूतावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगी।

सी.ए.ए.एंड.ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साखपत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतलदान कराने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा। बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साखपत्र खोलने, उसके अधीन लेन-देन करने और विदेशी संभरक के बैंक के प्रभार, यदि कोई हो, तो वे आयातक विदेशी संभरक द्वारा वहन किए जाएंगे। ओ.ई.सी.एफ. ठेके के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर बचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओ.ई.सी.एफ. द्वारा स्वयं ऋण/निधियों में से चुकाई जाएगी।

ओ.ई.सी.एफ. या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर, आयातक को बचनबद्धता पत्र के खर्चों के मुख्य धनराशि सरकारी लेखों में जमा करनी होगी। ओ.ई.सी.एफ. को भुगतान की तिथि से खपटा जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) व्याज भी प्रचलित दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के तहत 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्चा चुकाया जाना है। आयातकों द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की तिथि से ओ.ई.सी.एफ. द्वारा विदेशी संभरक को आयातों की तिथि तक की धवधि के लिए गणना करके बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय व्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में संबंध आयातकों के बैंक द्वारा बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को धन परेषण करके भुगतान किया जाएगा।

## 5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की रकम की प्रतिपूर्ति के लिए क्रियाविधि ऋण समझौते से संबंध प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

## खंड-6 खपटा निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट के सार्वजनिक अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंक को परामर्श पत्र परिवहन दस्तावेज रिजर्व होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में खपटा निक्षेप कर दिया गया है। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये पर व्याज प्रभार की समय-समय पर प्रचलित दर, जो वर्तमान समय में प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और अधिक धवधि के लिए 19 प्रतिशत प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूप से जमा करने की तिथि तक का हिसाब लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना 31-मार्च टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथ-साथ व्याज प्रभार भी सरकारी लेखों में जमा कराना है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि व्याज दोनों दिनों के लिए अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखों में खपटा जमा किया जाता है, देय है। देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103-मार्च टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-मार्च टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संबोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-मार्च टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74।

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चय करने के लिए आयातक को घुसपैठ से परहेज करनी चाहिए। बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोतपरिवहन आदि दस्तावेजों की डेरी या विलंब से प्राप्त को, खपटा निक्षेप पर लगने वाले व्याज की आंशिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख को लागू विनिमय की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109-मार्च टी सी (पी एन)/74, दिनांक 3-8-74 और संख्या 9-मार्च टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो अथवा जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिषदों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेजों सीपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से सुरक्षित जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की तब भी जिम्मेदारी होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमांतक प्राधिकारियों से माल की सुपुर्बंदी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को माल की सुपुर्बंदी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो खाते के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाए। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त खपटा निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिट्स एंड एक्वासिज-843-सिविल डिपॉजिट्स - डिपॉजिट्स प्रार पररेजिज एटसडा प्रसाड पररेज मंडर केडिट्स/लोन एपीमेंट्स", सोन क्रोम वि गबमेंट ऑफ जापान—2.635 विलियम येन क्रेडिट सं. मार्च टी सी-60 प्रार बी गोरखपुर क्रेडिटलयर प्लाट रिबेसिग/रिबेसिजेशन प्रोसेडर आफ एफ.सी.आई. होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या दो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सीस हजारी, दिल्ली में जालान के पर बाहिरी और कोने में कोड सं. 8130000009 का संकेत देते हुए सरकार के खाते में सार्वजनिक सूचना सं. 184-“आई टी सी (पी एन)/68 दिनांक 30-8-1968 सं. 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में मथा-निर्धारित तरीके में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर भारत में आयातक या सव्य बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से यह प्रतिरिक्त धनराशि सेवा खातों के निर्मित अंशों को वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मंगी जाए। जालान के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना जालान के कागज “धन परीक्षण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे” में निरपवाद रूप से निश्चित किए गए हैं। खजाना जालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए :—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक।

(ख) येन मुद्रा की यह धनराशि जिसके संबंध में अपवाई गई परिवर्तन की दर के साथ निवेश किए जाने हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उपरोक्त सी. ए. ए. एंड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार-पत्र का संबंध देन हुए और बोजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करके हुए खजाना जालान अपना जमा करने का साध्य देते हुए परीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए.एंड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी : भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो से अबायसी की सुचना और परफार्म पोतलवान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया गया है और यह कि उसके तत्काल बाद सी.ए.ए.एंड ए., वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को तथ्य से सूचित कर दिया गया है।

6(4) भारत में संबंध भारतीय बैंक को साइस को मुद्रा विनिमय निबंधन प्रति पर रुपया निक्षेप की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित “एस” पत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजना चाहिए।

#### खंड-7 विविध व्यवस्थाएं

##### 7(1) आयात साइस के उपयोग करने की रिपोर्टें

आयातक को पोतलवान और उसकी अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साक्ष्य पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा निबंधक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, संघ मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

##### 7(2) संभरकों को निवेश शर्तों के बारे में सूचित करना।

साइसधारी के आयात साइस में बिंदू गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरक को अभगत करा देना चाहिए जो राज के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

##### 7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि साइसधारी और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध-2 में “भुगतान की शर्तों” के अंतर्गत बम्बई तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद को निपटाने से संबंधित शर्तें शामिल होनी चाहिए।

##### 7(4) भाषण अनुदेश

आयात साइस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या आपानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौते (परियोजना सहायता) सं. आई टी पं 50 के अधीन सभी मामलों की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि, जापान (ओ. ई. सी. एफ.) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निदेशों या आदेशों का साइस धारी को गुरत पालन करना होगा।

##### 7(5) अतिरिक्त या उत्सर्जन

उपयुक्त खंडों में निर्धारित की गई शर्तों के प्रतिभमण या उत्सर्जन करने पर आयात-निर्गत (नियंत्रण) अभियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

##### 7(6) अनुबंधों की सूची

- |             |   |
|-------------|---|
| 1. अनुबंध-1 | पात्र छोत देशों की सूची।                      |
| 2. अनुबंध-2 | प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुबंध।       |
| 3. अनुबंध-3 | प्राधिकार पत्र का प्रपत्र।                    |
| 4. अनुबंध-4 | साक्षपत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)।    |
| 5. अनुबंध-5 | साक्षपत्र का प्रपत्र (रिपोर्टों के लिए लागू)। |

उपबंध-1

पात्र छोत देशों की सूची

क. विकासशील देश तथा उसके क्षेत्र

(क-1) विदेश आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

##### 1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा

मिश्र  
मोरक्को  
सुनीशिया

##### 2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा

अंगोला  
बेनिन  
बोत्स्वाना  
नमूबी  
केमरोन  
रीय बर्ड द्वीप  
मध्य अफ्रीका गणतंत्र  
नाइ

मोसारी द्वीप

कांगो, बाहोने का गणतंत्र

इक्वेटोरियल गिनी (1)

इथोपिया

जाम्बिया

जाना

गिनी  
ग्राइबरी कोस्ट  
कॉनिया  
सेसोथो  
साइबेरिया  
मायायासी गणतंत्र  
मालावी  
मासी  
मारीशस, मार्टिनीया  
मुजाम्बिक  
नार्डगर  
पुर्तगाली गुयाना  
रिवनियन  
रोडेसिया  
रवाण्डा  
सेंट हेलेना और डाइप (2)  
सामो टोमो और प्रिंसिपस  
सेनेगल  
सीचलीज  
सोयरे सिमोन  
सोमालिया  
सूडान  
स्विजरलैण्ड  
टेरो प्रिन्स और हसस  
टोनों  
यूगान्डा  
संजानिया गणतंत्रीय संघ  
अपर बोटा  
आइरे गणतंत्र  
आम्बिया  
  
अमरीका, उत्तरी और केंद्रीय  
बहमास  
बरमुडा  
बारबोडोस  
बेलीज  
कोस्टा रीका  
क्यूबा  
डोमिनिकन गणतंत्र  
एन सेल्वाडोर  
गुडालोप  
ग्वाटेमाला  
हैटी  
होण्डुरस  
जमैका  
मार्टीनिको  
मेक्सिको  
मीबरलीण्ड एंटीलीज  
निकारागुआ  
पनामा  
सेंट पियरी और मिकेलोन

ट्रिनिडाड और टोबागो ।

- (3) मुख्य द्वीप समूह, प्रक्या, बोनाइरे, न्यूपकाओ, साहा सेप्ट
3. अमेरिका उत्तरी और केंद्रीय  
वेस्टइन्डीज (आन्ध्र) एन. अर्थात्  
(क) सह-सम्बन्ध राज्य (1)  
(ख) आश्रित (2)
4. दक्षिणी अमेरीका  
अर्जेन्टीना  
बोलिविया  
ब्राज़ील  
चिली  
कोलम्बिया  
फास्क रैण्ड द्वीप समूह  
फ्रांस गिनी  
गुयाना  
पराग्वे  
पीरू  
सूरिनाम  
पराग्वे
5. मुख्य पूर्वी एशिया  
बहरीन  
इजराइल  
जोर्डन  
लेबनान  
ओमान  
सिरियाई अरब गणतंत्र  
यूनाइटेड अरब एमिरात (3)  
यमन अरब गणतंत्र  
यमन जनवादी का ओ. अर. (4)

6. दक्षिण एशिया  
अफगानिस्तान  
बंगलादेश  
भूटान  
बर्मा  
भारत  
मालदीव  
नेपाल  
पाकिस्तान  
श्रीलंका

7. मुख्य पूर्वी एशिया  
अरुनी  
हांग कांग  
खमेर गणतंत्र  
कोरिया गणतंत्र  
लाओस  
मकाओ  
मलेशिया  
फिलिपाइन  
सिंगापुर  
ताइवान  
थाईलैण्ड  
तिमोर  
वियतनाम पश्चिम  
वियतनाम जनवादी गणतंत्र

(1) पहले स्पेस गिनी का प्रदेश, फरनाओ पो द्वीप सहित ।

(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित :— एरकोनियन ट्रिस्टण्टी इन्.  
एक्सेलिसस. ग्राइनेगोस, गफ

## 8. ओरिभिया

कुक द्वीप समूह  
फिजी  
गिल्बर्ट और इलाहस द्वीप  
फासिस पोमिनेनिया (5)  
नारु  
न्यू फेलेन्डोनिया  
न्यू हैबिसिस (ब्र. और फ.)  
नियु  
पैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) ((  
पापुवा न्यू गिनी  
सोलोमन द्वीप समूह (बा.)  
टोगा  
वर्तिस और कुतूना  
पश्चिमी सामोआ

यूरोप  
साइप्रस  
जिब्राल्टर  
ग्रीस  
माल्टा  
स्पेन  
सुर्की  
यूरोस्लाविया

- (1) मुख्य द्वीप एन्टिगुआ, बोमिनिका, ब्रैनेडा, सेन्ट किट्स (सेंट क्रिस्टोफ़ो) नेविस-अंगुइला, सेट सुसिया और सेंट विसेन्ट।
- (2) मेन आईलैण्ड, मोसैक्षरत, सेमान गुर्क और काइकोस और ब्रिटिश बरजिन द्वीप समूह।
- (3) अजमल, दुबई, सुजीराह, रास अलखैमाह, शारजाह और अम्मा अल कबैबायन।
- (4) अरब और विभिन्न समतल और प्रभोरात सहित।
- (5) गोसावटी आई लैण्डस समूह (साहिती सहित) को शामिल करते हुए मास्ट्रल द्वीप समूह, टुआमोटू-बोम्बियर पुप और मारकोस द्वीप समूह।
- (6) पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रदेस, कारोलीन, द्वीप, मार्शल द्वीप समूह और मैरिना द्वीप समूह (गाम को छोड़कर)।

(क-2) प्रो. पी. ई. सी. के सक्षम या सहयोगी देश

अल्जीरिया  
बोलिविया  
नीमियाई अरब गणतन्त्र  
सेबोन  
माइजीरिया  
इक्वेडोर  
बेन्गुआला  
ईरान  
ईराक  
कुवैत  
कतार  
ताइपी प्ररब  
घाबु-बाबी  
इन्डोनेशिया

क. डी. ई. सी. प्रो. देश

मास्ट्रलिया  
बेल्जियम  
कनाडा  
डेन्मार्क  
फिनलैण्ड  
फ्रांस  
जर्मन संघ गणराज्य  
ग्रीस  
आइसलैण्ड  
आयरलैण्ड  
इटली  
जापान  
लगजमबर्ग बी नीडर लैण्ड  
न्यूजीलैण्ड  
नार्वे  
पुर्तगाल  
स्पेन  
स्वीडन  
स्विटजर लैण्ड  
टर्की संयुक्त साम्राज्य  
यूनाइटेड स्टेट्स

उपाबंध-2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र

संख्या

सेवा में

दिनांक

सहायता सेवा तथा सेवा परीक्षा नियंत्रक,  
वित्त मंत्रालय, प्राधिकार कार्य विभाग,  
यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम भण्डार,  
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001.

विषय: येन क्रेडिट सं. आई डी पी ..... (1988 के लिए परियोजना सहायता) के अंतर्गत

से

का प्रायास

सहाय्य, .

रर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई डी पी..... (परियोजना सहायता) के अंतर्गत.....के  
के प्रायास के संबंध में.....(बैंक का नाम).....के

कि यही होना चाहिए, जो भी (इ) में संलग्न विदेशी संभरकों के साथ में साखपत्र खोलने के लिए दिया गया है के क्या में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित ध्यौरे प्रस्तुत करते हैं:—

- (क) भारतीय आयतनक का नाम और पता।
- (ख) आयतन लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख जिस तक वैध है।
- (ग) भूमिप्राप्ति के तरीके—तथा वह भीसे क्या पर आधारित है या औपचारिक खुदी अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। इसके मानने में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपयुक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) नाम का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ) मान का उल्लेख देण।
- (च) यदि कोई हो, तो पात्र से इतर स्रोत देशों से आयतन संभरकों का प्रतिफल।
- (छ) संविदा का कुल अंश पर्यन्त निःशुल्क/वागत और भाड़ा मूल्य (सेन में)।
- (ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (सेन में)।
- (झ) वास्तविक अंश पर्यन्त निःशुल्क/वागत और भाड़ा मूल्य (सेन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (ञ) विदेशों के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं दिनांक।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम और पता।
- (ठ) वे भुगतान भर्तों और संभावित तिथियां जिनको संविदा के अंतर्गत भुगतान देय होंगे।
- (ड) मुद्रांश को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
- (क) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिनांकें हुए)
- (ण) पोम सदान अनुदेय (वाहनोत्तरण/पोर्ट-थिपमेंट) की अनुमति दी गई है या नहीं, निर्दिष्ट कीजिए।
- (त) भारत में आयतनक के बैंक का नाम और पता।
- (थ) क्या उसी लाइसेंस के अंतर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई है और आपाती प्राधिकारियों को अधिपूषित कर दिया गया है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और जिस मंत्रालय या तह संवर्ग जिसके अंतर्गत ओ.ई.सी. एफ. को इसे अधिपूषित किया गया है।
- (द) क्या साक्षात् के संभालन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को वेय बैंक वर्ष आयतनक द्वारा या संभरकों तह पत्र दिए जाते हैं।
- (न) आयतनक द्वारा बचनबद्धता:—

"हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समस्त रूपों को पूरा और गरी प्रमा करने का बचन देते हैं। प्रत्येक निम्ने माय (अयमित सामग्री) की मुद्रांश सेने से पूर्व लफ्फा ही जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के संबंधित प्रोत्तरक हमारे द्वारा अनुमोदित होते ही और उनको अययगी करते ही विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में निम्ने कर दिए जाएंगे। और संभरकों को भुगतान कर दिया जाएगा।

प्रावच-2

सं. प्राधिकार पत्र का प्रपत्र  
भारत सरकार  
धित मंत्रालय  
प्राधिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक आफ इंडिया,  
टोकियो जाणा,  
टोकियो (आपास)।

विषय: येन क्रेडिट (परिवोजना सहायता) गृहण करार सं. आई. डी. पी.-----के धवीन सायात। साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक 25-3-80 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न ध्यौरे के अनुसार संबंधी-----के नाम में-----सेन धनराशि के लिए अन्तर्राष्ट्रीय साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयतनक के बैंक, ओ. ई.सी.एफ., भारतीय हुतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।
3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा। आप ओ.ई.सी.एफ. को आवश्यक दस्तावेज भेज कर, किए गए भुगतान की प्रतिपुति का दावा तत्काल करें।
4. विदेशी संभरक को अययगी करते समय आपके द्वारा----- (आयतनक के बैंक के नाम व पता) मूल पोतलवान दस्तावेज (विनिमय) प्रतिरिक्त पूर्ण दस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को की गई अययगी को नामें खोलने की सूचना, लफ्फा अययगी, यदि कोई की गई हो तो सबकी प्रति भेजें।



5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से ओ.ई.सी. एफ. द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य ध्यात प्रभार भारत सरकार के लेख पर प्रभाव डाले बिना सामान्य बैंकिंग शर्तों के माध्यम से भारत में संबंधित आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के धन्य खर्च जिसमें साखपत्र खोलने, रखरखाव करने और साखपत्रों के संचालन करने और सोदा संबंधी दस्तावेज के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्चों या विदेशी संभरक/आयातक को हरी देने पड़ने और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ.ई.सी.एफ. से नहीं किया जाएगा।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाए तो उसकी सूचना निम्नलिखित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिए है। साखपत्र में बाहर में किए जाने वाले संशोधन या प्राधिकार पत्र के मद्दे धरिय में साखपत्र इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना संचालित नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र ----- तक वैध रहेगा।

9. कृपया दया करण से संबंधित सभी पत्राचार और भुगतान का इस्तेमाल करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का उल्लेख करें।

भवदीय,  
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :-

1. आयातक-----को इसके पत्र सं-----दिनांक के-----संदर्भ में।

उत्तरे अनुरोध है कि वे बैंकों से विनियम दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से अपना विशेष प्राधिकार करने का प्रबंध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण मान की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और वस्तु प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज से बिना ही प्राप्त कर दी गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निवेदन किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रीयों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही संबंध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाए, निवेदन कर दिए जाएंगे। निवेदन जल्दी ही जोर ठीक न करने पर लाइसेंस की शर्तों में क्या उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2(1) आयातक के बैंकर-----। यह आयात लाइसेंस सं-----दिनांक-----के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र वेन क्रेडिट के अंतर्गत आयातों को शासित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/धाराओं की देख और आयात/विदेशी भुगतान करने समय उचित कार्रवाई करें।

2(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को वेन भुगतान के बराबर कपे जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर कपे की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिचयन की निविदात दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 % वार्षिक दर से और इसमें अधिक धन के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से व्याज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख/बैंक आफ इंडिया की प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख को समतुल्य कपे भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आईटीसी (पीएन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेख में जमा करना है। ध्यान दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसकी भारत सरकार के लेख में कपे जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

वे धनराशियां आते भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में बालान के वाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्जित हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना संख्या 184-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 30-8-1968, 233/आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-1968, 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 सं. 74 आई टी सी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-1974, सं. 103/आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें कपे जमा करना है। "के डिपॉजिट एंड एडवांसिज 843 सिविल डिपॉजिटल-डिपॉजिटल फार परवेंजिज एटनेडा अवरॉड अन्डर परवेंजिज क्रेडिट/लोन एक्सीमेंटम" लोन फाम व गवर्नमेंट ऑफ आयात-----  
-----बिलियम वेन क्रेडिट (परिवर्जिता सहायता) सं. आई ई पी फार 198--8 है।

जिस मामलों में मुख्य रूप से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132 आई. टी.सी. (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार तदव जमा किया जाए उन मामलों में बालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि उन के द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजनी चाहिए, जिस के साथ बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक धनपत्र पत्र होना चाहिए।

सहायता लेखा तथा लेखा तरीका नियंत्रक,  
वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),  
पहली मंजिल, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग,  
संयुक्त मार्ग, नई दिल्ली 110001.

जिन मामलों में मुख्य रूप से ऊपर उल्लिखित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित वर्गों के तहत द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए मुख्य रूप से का पूरा ब्यौरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

संभरक को भुगतान करने की तिथि और ओ.ई.सी.एफ. द्वारा बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को उनकी प्रदायी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय ब्याज प्रसार बैंक सुल्लों के माध्यम से भारत सरकार के भंडे पर प्रसार डी विना बैंक ऑफ इंडिया टोकियो के माध्यम से द्वारा सीधे निर्णीत किए जाएंगे।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2 विदेशी आर्थिक सहयोग निधि टाकेवागी गोबो बिरिडग, 4-1 जोहर्टमासी-1 कोमें, पियोडा, कू, टोकियो 100, जापान।
4. भारतीय ऋण विभाग, टोकियो।
5. प्रसार सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

उपलब्ध-4

प्रपल ओ.ई.सी.एफ.एल. सी-1  
अपरिवर्तनीय साक्षपत्र  
(माल के लिए लागू)

विनांक

सेवा में

-----  
-----

यह साक्षपत्र (ऋणी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधियों के बीच हुए ऋण करार संग्रहा .....  
विनांक ..... के अनुसार जारी किया गया है।

सहोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आप के पूरे बोजकभूय के लिए आप के सावट ड्राफ्टों द्वारा उक्त रकम या रकमों के लिए हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साक्षपत्र सं. .... कोल दिया है जो ..... (अर्थात् वेन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए:--

हस्ताक्षरित पूर्ण वाणिज्यिक बीजक, पोत परिवहन निगम लघान बिा जिसमें दिए गए आदेशों का पूरा सेट हो, बैंक पृष्ठांकित एवं चिह्नित "फ्री एवं नोटिफाई" अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज।

जिन में पोतलवान (माल के लघान का संक्षिप्त) को प्रमाणित करते हुए संविधा सं. .... (यदि कोई हो) के संदर्भ में ..... सं. .... तक आधिक पोतलवान स्वीकृत है। वाहनारण स्वीकृत है। लघान बिल ..... के तब की तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट ..... तक लेन-देन के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट तथा धनराशियों पर "अपरिवर्तनीय साक्षपत्र सं. .... विनांक ..... के अंतर्गत आहरण किया गया और आमान संवर्ध सं. .... (संख्याएं) यदि कोई हो" अंकित होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

सम एतद्वारा बचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आवेगियों की धनराशियों की सुपुर्गों पर बिधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट "प्रतिकार कस्टम एण्ड प्रेडिक्ट फार शफूमैट्स क्रेडिट्स (1974 रिजिजन) इन्टरनेशनल बेस्वेल आफ कामर्स, पब्लिकेशन सं. 290" के प्रतीत है।

लेन-वेन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश:--

1. उपर्युक्त ऋण करार के अंतर्गत विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा जारी किए गए बचन पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद इन बचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-वेन करने वाले बैंक को यह बताते हुए हमें ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और उनके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य लेजना चाहिए कि जो दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा, ..... को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत सभी बैंक के खर्च आयातक/संभरक के हाते से बेध है।

भवदीय,

( )

वाणिज्य बैंक

द्वारा .....

प्राधिकृत हस्ताक्षर .....

## भुगतान शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे साख्यपत्र ..... का एक अभिन्न अंग हैं।

## 1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि ..... सेन

कुल संविदा मुख्य का ..... प्रतिपात है।

अपेक्षित दस्तावेज:

अन्तिम भुगतान तिथि:

## 2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि ..... सेन

कुल संविदा का मुख्य का ..... प्रतिपात है।

अपेक्षित दस्तावेज:

प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि:

## 3. शेष परिवहन दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

धनराशि ..... सेन।

कुल संविदा मुख्य का ..... प्रतिपात है।

टिप्पणी: यह संवल शीट पौर परिवहन दस्तावेजों के मद्दे भुगतान के नानों में प्रेषित नहीं है।

अध्यापक-5

(प्रपत्र ओ ई सी एफ एस सी-2)

(अपरिवर्तनीय साख्य-पत्र)

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक

हस्ता, में,

..... यह साख्यपत्र (अष्टमी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार

सं०

दिनांक

के अनुसरण में)

(संस्तरक का नाम व पता) जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मुख्य के लिए दिनांकिकारी के डाकट एट माइट द्वारा उपलब्ध राकम निम्नकी कुल धनराशि ..... (.....) सेन में अधिक नहीं है, के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साख्य-पत्र सं ..... खोल दिया है।

इसमें इसके साथ संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (परियोजना के संक्षेप में उका सं ..... ) में संबंधित दस्तावेज होने चाहिए। सेन सेन के लिए डाकट ..... ने पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी डाकट और दस्तावेजों पर अपरिवर्तनीय केबिट सं ..... के अन्तर्गत "डान" लिखा होना चाहिए।

यह केबिट हस्ताक्षरित नहीं है।

हम एतद् द्वारा वचन देते हैं कि इस केबिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके पुराने नये सभी डाकट प्रस्तुत करने पर और आपदेशनों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर बिधियत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाए, यह केबिट "यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रेक्चिस कार आकुमेंटरी केबिड्स (1974 - रिबीजन) इन्टरनेशनल बैंक ऑफ कमर्स शोवर नं. 290" के अधीन है।

सेन सेन करने वाले बैंक को विशेष अनुवेष्टः--

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (अष्टमी और इसके कनिष्ठ अधिकारी) द्वारा जारी किये गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस केबिट के अन्तर्गत भुगतान हममें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए प्रारम्भिक भुगतानों के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के अभाव दिनांकिकारी का विवरण अपेक्षित है।

2. ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाव हम सेन-सेन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार डाकटों की राशि परेषित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मब । में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और ट्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही हमें भेजे जाएंगे।  
4. इस साक्षपत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्च आयातकों/संभरकों के खाते से देय हैं।

सबदीय,

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा .....

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

## भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साक्षपत्र स ..... का एक अभिन्न अंग है।

## 1. प्रारम्भिक भुगतान:

घनराशि ..... येन।

जो कुल संविदा मूल्य का ..... प्रतिशत है।

अपेक्षित : दस्तावेज

हिताधिकारी का विवरण

प्रस्तुत करने की अन्तिम तारीख:

## 2. भुगतान प्रगति:

सम्पूर्ण योग: घनराशि ..... येन

जो कुल संविदा का मूल्य ..... प्रतिशत है जिसका भुगतान निष्पादन से किया जाना है --

देय घनराशि

प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि

.....

.....

कस्त, न .....

.....

बूझरी किल्ल यन .....

.....

.....

.....

अपेक्षित दस्तावेज: (श्रेणी अथवा उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रत्येक संलग्न है।

## निष्पादन का विवरण

दिनांक

सम्बन्ध

केषा में

.....

.....

.....

(संभरक का नाम और पता)

सम्बन्ध:—श्रेण करार सं. .... के अन्तर्गत ..... करिबीयता  
से संबंधित ..... के नाम के ..... येन  
के लिए ..... द्वारा जारी किए गए साक्षपत्र की स ..... दिनांक .....  
(श्रेणी) का प्रतिनिधित्व करते हुए हमें प्रयोहस्ताक्षरी और ..... के बीच संविदा  
स ..... दिनांक ..... में लिखित भुगतान की शर्तों के अनुसार बिदेही  
आर्थिक सहायता निधि द्वारा ..... येन की (घनराशि ..... येन मात्र)  
प्राप्त करने के लिए ..... को प्राधिकृत करने के लिए निष्पादन विवरण जारी करता हूँ।

(श्रेणी)

द्वारा .....

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेय:

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में वर्णित आया

## MINISTRY OF COMMERCE

## Import Trade Control

Public Notice No. 88-ITC(PN)|88-91

New Delhi, the 15th December, 1988

Sub : Licensing conditions for import of equipment/services under OECF Loan No. ID-P.50 of Yen 2.635 Billion for Gorakhpur Fertilizer Plant Revamping/Rehabilitation Project of the Fertilizer Corpn. of India Ltd.

F. No. IPC|23(48)|88-91.—The terms and conditions governing import of equipment/services under OECF Loan No. ID-P.50 of Yen 2.635 Billion for Gorakhpur Fertilizer Plant Revamping/Rehabilitation Project of the Fertilizer Corpn. of India Ltd., as given in Appendix to the Public Notice are notified for information.

K. V. IRNIRAYA, Chief Controller  
of Imports and Exports

## APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 88-ITC(PN)|88-91

dated 15-12-1988

Licensing conditions in respect of Import of equipment and services under the Yen credit of Yen 2.635 billion for implementation of the Gorakhpur Fertilizer Plant revamping/Rehabilitation Project of the Fertilizer Corporation of India Ltd. (FCI) extended by the Overseas Economic Corporation Fund (OECF) of Japan.

## Section I—General Conditions

I(i) The Yen credit of Yen 2.635 billion extended by the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Gorakhpur Fertilizer Plant Revamping/Rehabilitation Project of FCI is untied in favour of Japan and developing countries including India and all member countries of OECD. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I(ii) Import Licence(s) under the credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence issued under this credit should not exceed Yen 2.80 billion (C).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)|74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japan Yen Credit No. ID-P 50". The first and second suffix to the licence code will be "S|JC". This will also be repeated in the letter from

CCI&E forwarding the import licence to FCI a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I(iii) Import licence(s) can be issued only in favour of F.C.I. on CIF basis.

I(iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 2.80 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I(v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Department of Economic Affairs (Japan Section).

I(vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licences duly attested by the licensing authorities.

I(vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's Commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of licence value and will therefore, be charged to the licence.

I(viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier, located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm Orders" means purchase order placed by the Indian Licence on the Overseas supplier duly signed by the letter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I(ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Min. of Fin. Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs, (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi, who will consider such extension on the merits of each case and communicate

their decision to the licensing authorities for communication to the licensees. Only on production by the licensees of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I(x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the overseas supplier.

The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :—

“.....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....”

In fixing the terminal date for shipment it would be noted that this date should not be beyond 31st December, 1992.

Section II. Special points to be kept in view while negotiations & supply contract.

II(i) The FOB|C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agents commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

The contract value should be expressed in Yen (or in Indian rupees in case of Indian suppliers). The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II. (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million yen.

(i) Prior approval of DECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to DECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to DECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to DECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of DECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if DECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to DECF for its review.

(c) Consultants shall be employed in accordance with DECF Guidelines for Employment of Consultants.

(d) The application|documents mentioned in (a)(i), (a)(ii) & (b) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A. in duplicate, for submission to DECF.

II. (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the DECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P, 50 for 1987-88 the details of which are given in Section VII below.

II. (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Deptt. of E.A. (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier

The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or judicial persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty percent (50 per cent) of the price per unit of such products in accordance with the following formulas :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY} \times 100}{\text{SUPPLIER'S FOB PRICE}}$$

(In case of Indian Supplier, Ex-Factory price shall be adopted)

II (vii) Declaration in Contract.

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

“I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in———(name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than

fifty per cent (50 per cent) in accordance with the following formula :—

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY} \times 100}{\text{SUPPLIER'S FOB PRICE}}$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that—  
(Name of Company) has been incorporated and  
(country), and is controlled by nationals of—  
(name of eligible source countries concerned)."

Section III. Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated 10th February, 1988 concerning the Yen Credit No. ID-P. 50 (Project Aid) for Taesta Canal Hydroelectric Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P.50 dated 10th February, 1988 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV. Review of Contract by OECF IV (i) within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the

supplier or their photo copies complete in all respects, together with two photo copies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Deptt. of E.A.) will send Notice of conclusion of contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA & A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V.—Payment to the Overseas suppliers—  
Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas Suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank of India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would also apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V. (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo who will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V. (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas supplier's bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers Bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without effecting the Government of India's account.

#### V. (v) Reimbursement Procedure.

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with Reimbursement Procedure attached to the loan agreement.

#### Section VI—Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC (PN)/83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN)/74 dated 3-3-1974 and 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976

or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Central Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAs to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan—2.635 Billion yen credit No. ID-P.50 for the Gorakhpur Fertilizer Plant Revamping/Rehabilitation Project of I.C.I.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968 No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976

VI (iii) The concerned Bank in India shall also stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) while filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.



Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section VII—Miscellaneous Provisions.

##### VII (i) Reports on utilisation of the import licence.

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

##### VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.

The Licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

##### VII (iii) Disputes.

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure—II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

##### VII (iv) Future Instructions.

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P.50 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

##### VII (v) Breach or violation.

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

##### VII (vi) List of Annexures.

Annexure—I.—List of eligible source countries.

Annexure—II.—Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III.—Form of Letter of Authority.

Annexure—IV.—Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure—V.—Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

#### ANNEXURE—I

#### LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

##### A. DEVELOPING COUNTRIES AND TERRITORIES

###### (a) Non-OPEC Developing Countries

###### I. Africa, North of Sahara

Egypt  
Morocco  
Tunisia

###### II. Africa, South of Sahara

Angola  
Benin  
Botswana  
Burundi  
Cameroon  
Cape Verde Islands  
Central African Rep.  
Chad  
Comore Islands  
Congo, People's Republic of  
Dahomey  
Equatorial Guinea (1)  
Ethiopia  
Gambia  
Ghana  
Guinea  
Ivory Coast  
Kenya  
Lesotho  
Liberia  
Malagasy Republic  
Malawi  
Mali  
Mauritania, Mauritius  
Mozambique  
Niger  
Portuguese Guinea  
Reunion  
Rhodesia  
Rwanda  
St. Helena and dep (2)  
Sao Tome and Principe  
Senegal  
Seychelles  
Sierra Leone  
Somalia  
Sudan  
Swaziland  
Togo, Afars and  
Issas  
Togo  
Uganda  
Un-Rep of Tanzania  
Upper Volta  
Zaire Republic  
Zambia

###### III. America, North and Central Bahamas Barbados

Belize  
Bermuda  
Costa Rica  
Cuba  
Dominican Republic  
EL Salvador  
Guadeloupe  
Guatemala  
Haiti  
Honduras  
Jamaica  
Martinique  
Mexico  
Netherlands Antilles  
Nicaragua  
Panama  
St. Pierre and Miquelon  
St. Vincent and Tobago

- (1) Formerly the territory of Spanish Guinea. Including the island of Fernando PO.
- (2) Including the following islands: Ascension, Tristan da Cunha, Nightingale, Gough.
- (3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

AMERICA, North and Central  
West Indies (Br.) n. i.e.

- (a) Associated States (1)
- (b) Dependencies (2)

#### IV AMERICA, South

Argentina  
Bolivia  
Brazil  
Chile  
Colombia  
Falkland Islands  
French Guiana  
Guyana  
Paraguay  
Peru  
Surinam  
Uruguay

#### V. ASIA, Middle East

Bahrain  
Israel  
Jordan  
Lebanon  
Oman  
Syrian Arab Republic  
United Arab Emirates (3)  
Yemen Arab Republic  
Yemen, People's D.R.

#### VI. ASIA, South

Afghanistan  
Bangladesh  
Bhutan  
Burma  
India  
Maldives  
Nepal  
Pakistan  
Sri Lanka

#### VII. ASIA, Far East

Brunei

Hong Kong  
Khmer Republic  
Korea, Republic of  
Laos  
Macao  
Malaysia  
Philippines  
Singapore  
Taiwan  
Thailand  
Timor  
Viet-Nam, Rep. of  
Viet-Nam, Dem. Rep.

#### VIII. OCEANIA

Cook Islands  
Fiji  
Gilbert and Ellice Is.  
French Polynesia (5)  
Nauru  
New Caledonia  
New Hebrides (Br. and Fr.)  
Niue  
Pacific Islands (US) (6)  
Papua New Guinea  
Solomon Islands (Br.)  
Tonga  
Wallis and Futuna  
Western Samoa

#### IX EUROPE

Cyprus  
Gibraltar  
Greece  
Malta  
Spain  
Turkey  
Yugoslavia

- (1) Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
- (2) Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos and British Virgin Islands.
- (3) Ajman, Dubai, Buraimyah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quwain.
- (4) Including Aden and various sultanates and emirates.
- (5) Comprising the Society Islands (including Tahiti), the Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
- (6) Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam).

#### (a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria  
Bolivia  
Libyan Arab Republic  
Gabon  
Nigeria  
Ecuador  
Venezuela  
Iran  
Iraq  
Kuwait

Qatar  
Saudi Arabia  
Abu Dhabi  
Indonesia

- B. OECD Countries.  
Australia  
Belgium  
Canada  
Denmark  
Finland  
France  
The Federal Republic of Germany  
Greece  
Iceland  
Ireland  
Italy  
Japan  
Luxembourg the Netherlands  
New Zealand  
Norway  
Portugal  
Spain  
Sweden  
Switzerland  
Turkey the United Kingdom and the  
United States.

#### ANNEXURE- II

#### REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date :

To

The Controller of Aid Accounts and Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
UCO Bank Building, 1st Floor,  
Parliament Street,  
New Delhi-110001.

Subject :—Import of ———— from ————  
under the Yen Credit No. IDP ————  
(Project Aid for 1988).

Sir,

In connection with the import ————  
from ———— under the above mentioned Yen  
Credit No. IDP ———— (Project Aid)  
we furnish the following particulars to enable you  
to issue the Letter of Authority to the ————  
(Name of the Bank) which should be the same as  
given in (P) below for opening a letter of credit in  
favour of the overseas supplier concerned.

- Name and Address of the Indian importer.
- Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- Method of procurement- whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- Brief description of the goods.
- Origin of the goods.

- Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- Cross FOB/C&E value of contract (in Yen).
- Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- Number and date of the Contract with overseas suppliers.
- Name and address of the Overseas Supplier.
- Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- Expected date of completion of deliveries.
- Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- Shipment instructions (indicate if trans-shipment, part-shipment permitted or not permitted).
- Name and address of the importer's bank in India.
- Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Credit are to be borne by the Importers or Supplier.
- Undertaking by the importer :—  
“We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the Payments made to suppliers.”

#### ANNEXURE-III

(Letter of Authority Form)

No. F

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India,  
Tokyo Branch  
Tokyo (Japan)

Subject : Import under yen Credit (Project Aid)  
Loan Agreement No. ID-P. ———— Issue of

## Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-80 entered into with your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen—  
favouring M/s. \_\_\_\_\_  
as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to—(Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto—.

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,  
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer ———— with reference to their letter No. ———— dated ————.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importers' Banker... This has reference to import Licence No. dt. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2. (ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 51130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is 'K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits-Deposit for purchase etc. abroad under purchases under Credit/Loan Agreements'—Loans from the Government of Japan —billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P— for 198 -8.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Gode Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

#### ANNEXURE IV

#### Form OECF-LC I

#### IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT

(Applicable for goods)

Date :

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan

Agreement No. \_\_\_\_\_

Dated \_\_\_\_\_

between (Borrower) and The  
OVERSEAS ECONOMIC  
COOPERATION FUND.

To \_\_\_\_\_

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ in your favour for account of \_\_\_\_\_ for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of Yen \_\_\_\_\_ (Say Yen \_\_\_\_\_) available by your drafts at sight for full invoice value

drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped) referred to Contract No. \_\_\_\_\_ (if any) from \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_ Partial shipments are permitted. Transshipment is \_\_\_\_\_ permitted. Bills of lading must be dated not later than \_\_\_\_\_. Drafts must be presented for negotiation not later than \_\_\_\_\_.

All Drafts and documents under this credit must be marked

"Drawn under \_\_\_\_\_ irrevocable credit No. \_\_\_\_\_, dated \_\_\_\_\_

and Import Reference No.(s) \_\_\_\_\_ (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to \_\_\_\_\_.

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

\_\_\_\_\_ (a Commercial Bank)

By : \_\_\_\_\_ (Authorized Signature)

#### Payment Terms :

This payment terms constitute an integral part of our Letter of Credit No. \_\_\_\_\_.

#### I. Initial Payment

Amount : Yen \_\_\_\_\_ being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

## II. Intermediate Payment (if any)

Amount : Yen \_\_\_\_\_  
 being \_\_\_\_\_% of the total  
 contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

## III. Payment against Shipping Documents

Amount : Yen \_\_\_\_\_  
 being \_\_\_\_\_% of the total  
 contract price.

Note : This attached sheet is not required in cases of full payment against shipping documents.

## ANNEXURE V

Form OECF-LC II

## IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT

(Applicable for Services)

Date :

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ between (Borrower) and the OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND.

To

\_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_

(Name & address of the Supplier)

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ in your favour for account of \_\_\_\_\_ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen \_\_\_\_\_ (say Yen \_\_\_\_\_) available by beneficiary's drafts at sight for full statement value drawn on us.

The be accompanied by the required documents, in accordance with the payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. \_\_\_\_\_ with regard to \_\_\_\_\_ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. \_\_\_\_\_".

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brouchure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the payment schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned statement of performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(\_\_\_\_\_  
 a Commercial Bank)

By : \_\_\_\_\_  
 (Authorized Signature)

## Payment Schedule :

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. \_\_\_\_\_.

## I. Initial Payment

Amount : Yen \_\_\_\_\_  
 being \_\_\_\_\_% of the total  
 contract price

Required documents : beneficiary's Statement

Latest presentation date :

## II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen \_\_\_\_\_  
 being \_\_\_\_\_% of the total  
 contract price to be paid as  
 follows

Amount due Latest presentation

\_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_

1st Instalment : Yen \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_

2nd Instalment : Yen \_\_\_\_\_

Re : Letter of Credit No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_  
 issued by \_\_\_\_\_ for Yen \_\_\_\_\_ in  
 favour of \_\_\_\_\_ concerning \_\_\_\_\_  
 Project under Loan Agreement No. \_\_\_\_\_.

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby  
 issue a Statement of Performance to entitle \_\_\_\_\_  
 to receive the sum of Yen \_\_\_\_\_ (Yen \_\_\_\_\_  
 only) from the OVERSEAS ECONOMIC COOPE-  
 RATION FUND in accordance with the Payment  
 Terms stipulated in the Contract No. \_\_\_\_\_,  
 dated \_\_\_\_\_ between \_\_\_\_\_ and \_\_\_\_\_.

Required document : A copy of State of Performance  
 issued by (Borrower of its  
 designated authority), a form  
 of which is attached hereto.

## STATEMENT OF PERFORMANCE

Date : \_\_\_\_\_

(Borrower)

Ref. No. \_\_\_\_\_

To \_\_\_\_\_

By : \_\_\_\_\_  
 (Authorised Signature)

\_\_\_\_\_  
 (Name and address of  
 the supplier)

## Special Instructions :

The details of the actual performance shall be  
 stated in the sheet attached hereto.

